वीर नम द द ण गुजरात व व ालय, सुरत

थम वष बी.ए.

हंद

सेमे टर1(Revised)

Parishist-1

(जून 2011-2012 और 2012-2013 के वष के लिए)

प1 हंद का य (मु य और गौण) Core Course-01

तावना आधुनिक हंद का य नवीन भावभूमि एवं नवीन वैचा रक गतिशीलता लेकर अवत रत हुआ। उ नीसवीं शती के उ रा म इसम नवीन संवेदनाएँ, भावनाएँ तथा नवीन वचार अभि य हुए। इसक व वध धाराएँ ह । इसलिए संवेदना तथा ान तिज के व तार के लिए इसका अ ययन अ यंत आव तथा ासंगिक है।

पा यपु तक 1. श बूक जगद श गु
(लोकभारती काश, इलाहाबाद)

अ ययन के लिए निधा रत - `

ईकाई-1 जगद श गु : य व और कृति व
ख डका यः प रभाषा एवं ल ण
'श बूक कथाव तु

ईकाई-2 'श बूक: का य व प
'श बूक के पा - श बूक और राम।
'श बूक म आधुनिकता

ईकाई-3 'श बूक का 'वनदेवता' सग
'श बूक म कृति च ण
'श बूक म संवाद योजना

ईकाई-4 'श बूक शीष क क साथ कता
'श बूक का य का उ ` य
'श बूक का कला-प ।

अंक- वभाजन

ईकाई 1 और 2 से एक-एक आलोचना मक (16×2=32 अंक)
ईकाई 3 और 4 से ट पणी का (चार वक प म से दो) 14 (7×2= अंक)
प ठत का य से सं (दस वक प म से पाँच) (5×2= 10 अंक)

प ठत का य से 14 वैक पक (हरेक के चार वक प देने ह।) 1×14 =14

संदभ-पु तक

1. हंद के खंडका य म-बोध-डॉ.राज भार ाज
2. हंद सा ह य म -कथाका य: उ व और वकास-डॉ.नूरजहाँ बेगम
3. हंद रामका य: नये संदभ-डॉ. मिला अव थी
4.न य बंधका य म आधुनिक-बोध-उव शी शमा
5.नयी क वता क बोध-चेतना-डॉ.महावीरसिंह चौहान
6.आधुनिक बंधका य:संवेदना के धरातल-संपा.डॉ. वनोद गोदरे
7. हंद के ` का य का मू यांकन-डॉ.यश गुलाट
8. हंद के वातं यो र मिथक य ख-डका य-डॉ.कमला शमा (पा प लकेशन, अहमदाबाद)

****

अथवा

प1 हंद का य (मु य और गौण) Core Course-01

तावनाआधुनिक हंद का य नवीन भावभूमि एवं नवीन वैचा रक गतिशीलता लेकर अवत रत हुआ। उ नीसवीं शती के उ रा म इसम नवीन संवेदनाएँ, भावनाएँ तथा नवीन वचार अभि य हुए। इसक व वध धाराएँ ह । इसलिए संवेदना तथा ान तिज के व तार के लिए इसका अ ययन अ यंत आव तथा ासंगिक है।

पा यपु तक1. ौपदी-नरे शमा

(राजकमल काशन ा.लि. नई द ली)

अ ययन के लिए निधा रत - `

ईकाई-1 नरे शमा : य व और कृति व
ख डका य: प रभाषा एवं ल ण
' ौपदी: कथाव तु

ईकाई-2 ' ौपदी: एक लघु का य
' ौपदी के मु य पा

ईकाई-3 ' ौपदी म संवादयोजना
' ौपदी म कृति चि ण।
' ौपदी के गौण पा

ईकाई-4 ' ौपदी शीष क क साथ कता
' ौपदी का य का उ ` य
' ौपदी का कला-प ।

अंक- वभाजन

ईकाई 1 और 2 से एक-एक आलोचना मक (16×2=32 अंक)
ईकाई 3 और 4 से ट पणी का (चार वक प म से दो) 14(7×2= अंक)
प ठत का य से सं (दस वक प म से पाँच) (5×2= 10 अंक)
प ठत का य से 14 वैक पक (हरेक के चार वक प देने ह) (14×1=14 अंक)

संदभ-पु तक

1. हंद के खंडका य म-बोध-डॉ.राज भार ाज
2.न य बंध का य म आधुनिक बोध-उव शी शमा
3.नयी क वता क बंध चेतना-डॉ.महावीरसिंह चौहान
4.आधुनिक बंधका यःसंवेदना के धरातल-संपा.डॉ. वनोद गोदरे
5. हंद के ` का य का मू यांकन-सं.डॉ.यश गुलाट

****

प2 हंद उप यास (मु य और गौण) Core Course-02

तावना हंद ग वधाओं म उप यास सबसे अधिक वकसित व लोक य है। आज तो शा का प धारण कर लिया है। अतः इस वधा का गहन अ ययन अनिवाय है।

पा यपु तक 1.गंगा मैया-भैरव साद गु

(काशक-लोकभारती काशन, इलाहाबाद)

अ ययन के लिए निधा रत - `

ईकाई-1 भैरव साद गु : य व और कृति व
उप यासः प रभाषा एवं स व।
'गंगा मैया': कथाव तु
'गंगा मैया': चि त सम या

ईकाई-2 'गंगा मैया' : ता वक व `षण
'गंगा मैया': एक आँचलिक उप यास
'गंगा मैया' के पा

ईकाई-3 'गंगा मैया' :संवाद-योजना
'गंगा मैया' म:वातावरण-योजना
'गंगा मैया' का नामकरण

ईकाई-4 'गंगा मैया' क भाषा-शैली
'गंगा मैया' म य अधिकार-बोध
'गंगा मैया': उ ` य।

अंक- वभाजन

ईकाई 1 और 2 से एक-एक आलोचना मक (16×2=32 अंक)
ईकाई 3 और 4 से ट पणी का (चार वक प म से दो) 14(7×2= अंक)

प ठत उप यास से सं (दस वक प म से पाँच) अंक (5×2=10)
प ठत उप यास से 14 वैक पक (हरेक के चार वक प देने ह गे।) अंक (14×1=14)

संदभ-पु तक

1. हंद के आँचलिक उप यास-सं.डॉ.रामदरश मि - डॉ. ानचंद गु (वाणी काशन, द ली)
2. हंद उप यास का इतिहास-डॉ.गोपाल राय (राजकमल काशन ा.लि.नई द ली)
3.आंचलिकता और हंद उप यास-डॉ.नगीना जैन (अ र काशन, द ली)
4.उप यास का व -डॉ.शशिभूषण सिंहल (आधुनिक काशन, द -35)
5. वातं यो र हंद उप यास म ी-कृषक-डॉ.उ म पटेल (शांति काशन, रोहतक)
6. वातं यो र हंद उप यास का व प, डॉ.मृ युंजय उपा याय
7. हद उप यासः एक अंतया ा-डॉ.रामदरश मि (राजकमल काशन ा.लि.नई द ली)

*****

अथवा

प 2 हंद उप यास (मु य और गौण) Core Course-02

तावना हंद ग वधाओं म उप यास सबसे अधिक वकसित व लोक य है। आज तो शा का प धारण कर लिया है। अतः इस वधा का गहन अ ययन अनिवाय है।

पा यपु तक 1. वामी म नू भंडार

अ ययन के लिए निधा रत - `

ईकाई-1 म नू भंडार : य व और कृति व
उप यासः प रभाषा एवं त व।
' वामी कथाव तुः व `षण।
ईकाई-2 ' वामी णय और पा रवा रक कलह क कहानी।
' वामी एक सहज मानवीय अंत क कहानी।
' वामी के पा -सौदामिनी, घन याम, नरे ।
ईकाई-3 ' वामी के गौण पा -म णबाबू, गि रजा, मिनी क सास, टुक आ द।
' वामी म संवाद योजना
ईकाई-4 ' वामी उप यास म वातावरण योजना
' वामी का उ ` य
' वामी उप यास का शीष क।

अंक- वभाजन

ईकाई 1 और 2 से एक-एक आलोचना मक (16×2=32 अंक)
ईकाई 3 और 4 से ट पणी का (चार वक प म से दो) 14 अंक (7×2=14)
प ठत उप यास से सं (दस वक प म से पाँच) अंक (5×2=10)
प ठत उप यास से 14 वैक पक (हरेक के चार वक प देने ह गे।) अंक (14×1=14)

संदभ-पु तक

1. हंद उप यासः एक अंतया ा डॉ.रामदरश मि (राजकमल काशन ा.लि.नई द ली)
2. हंद उप यास का इतिहास गोपाल राय (राजकमल काशन ा.लि.नई द ली)

****

HINDI
B.A. DEGREE COURSE

1ST SEMESTER

Sr. No.	Name of Course	Total Marks Ext / Internal	Parsing Standard	Total Teaching Hours	Weekly Teaching Hours	Credits
1	PAPER -1 हंद का य Core Course-1	70+30=100	28+12=40	15 Weeks × 3 = 45 Hrs	3 Hrs	03
2	PAPER- 1 हंद का य Core Course-1	70+30=100	28+12=40	15 Weeks × 3 = 45 Hrs	3 Hrs	03
3	PAPER -2 हंद उप यास Elective Course-1	70+30=100	28+12=40	15 Weeks × 3 =45 Hrs	3 Hrs	03
4	PAPER -2 हंद उप यास Elective Course-1	70+30=100	28+12=40	15 Weeks × 3 = 45 Hrs	3 Hrs	03
5	PAPER- Multi Disciplinary Course-1	70+30=100	28+12=40	15 Weeks × 3 = 45 Hrs	3 Hrs	03
6	Self Studies, Assignments & Tutorials Self Study Course-1	-	-	15 Weeks × 3 = 45 Hrs	3 Hrs	02

Model of Time-Table

Session	1	2	3	4	5
Monday	Class -room teaching of two course in each Semester. Three Hours for each course per week Total teaching hours per week=06				Each Day 4th Hour can be used for Library work/presentation ect.
Tuesday					
Wednes					
Thursday					
Friday					
Saturday	Self Study Course				

****

वीर नम द द ण गुजरात व व ालय, सुरत
थम वष बी.ए.
हंद
सेमे टर2
Parishist-1

(जून 2011-12 और 2012-13 के वष के लिए)

प3 आधुनिक हंद क वता (मु य और गौण) Core Course-03

तावनाआधुनिक हंद का य नवीन भावभूमि एवंनवीन वैचा रक गतिशीलता लेकर अवत रत हुआ। उ नीसवीं शती के उ रा म इसम नवीन संवेदनाएँ, भावनाएँ तथा नवीन वचार अभि हुए। ह इसक व वध धाराएँ ह । इसलिए संवेदना तथा ान तिज के व तार के लिए इसका अ ययन अ आव यक तथा ासंगिक है।

पा यपु तक **का ह -धारा का यसं ह   संपा.डॉ.सुरेश बाबर**

(काशक-जगत भारती काशन, 322, नयी ब ती, क डगंज, इलाहाबाद 3)

अ ययन के लिए निधा रत - `

इकाई-1	याचना, गीत (साद)
	ामयुवती (पंत)
	जागो फर एक बार, सं यासुंदर (निराला) क वताएँ।
इकाई-2	मधुशाला, जो बीत गयी (ब चन)
	बापू, लोहे के पेड़ हरे ह गे (दनकर) क वताएँ।
इकाई-3	`त का बयान, बुहत दन के बाद (नागाजु न)
	वरदान माँगूँगा नह ं, मि ट क म हमा (सुमन) क वताएँ।
इकाई-4	हरा-भरा देश, नद के प, (अ `य)
	भोरः एक लै ड कैप, पं ह अग त (गि रजाकुमार माथुर) क वताएँ।

अंक- वभाजन

ईकाई 1 और 2 से एक-एक आलोचना मक   (16×2=32 अंक)

ईकाई 3 और 4 से ट पणी का   (चार वक प म से दो) 14 (7×2= अंक)

प ठत क वताओं से सं   (दस वक प म से पाँच) 10 (5×2= अंक)

प ठत क वताओं से 14 वैक पक (हरेक के चार वक प देने ह।) =1×14

संदभ-पु तक

1.छायावाद-डॉ.नामवर सिंह (राजकमल काशन ा.लि.नई द ली)
2. साद का का -डॉ. `मशंकर
3.अ `य का का -एक पुनमू यांकन-शंभुनाथ चतुव द
4.अ `यः एक अ ययन-डॉ.भोलाभाई पटेल
5.निराला-डॉ.राम वलास शमा (राधाकृ ण काशन, नई द ली)
6.नयी क वता के तिमान- मीकांत वमा
7.जयशंकर साद-आ.नंददुलारे वाजपेयी
8.सुमि ानंदन पंत-आनंद काश द त
9.ह रवंशराय ब चन क सा ह य साधना-पु पा भारती (वाणी काशन, नई द ली)
10.आज के लोक य क व ब -संपा.चं गु व ालंकार (राजपाल ए ड स ज, द ली)
11.ब चनः य व और कृ त व- काश जोशी (स माग काशन, द ली)
12.नई क वता-डॉ.देवराज (वाणी काशन, द ली)
13.नागाजु न क क वता-अजय तिवार
14. आज के लोक य हंद क व -संपादक- मथनाथ गु (राजपाल ए ड स ज, द ली)

*****

अथवा

प3 **आधुनिक हंद क वता (मु य और गौण) Core Course-03**

तावना-आधुनिक हंद का य नवीन भावभूमि एवं नवीन वैचा रक गतिशीलता लेकर अवत रत हुआ। उ नीसवीं शती के उ रा म इसम नवीन संवेदनाएँ, भावनाएँ तथा नवीन वचार अभि य त हुए। ह इसक व वध धाराएँ ह । इसलिए संवेदना तथा ान तिज के व तार के लिए इसका अ ययन आव यक तथा ासंगिक है।

पा यपु तक-**का य वैभव संपा. रवी नाथ सिंह**
(काशक-सा ह य भवन ा.लि., जीरो रोड, इलाहाबाद)
अ ययन के लिए निधा रत - `

इकाई-1 शुभकामना (गु)
हमा तुंग ृंग से, जाग र (साद)
भारतमाता (पंत)
तोड़ती प थर (निराला) क वताएँ
इकाई-2 गीत-रामकुमार वमा
मधुर मधुर मेरे द पक जल (महादेवी वमा)
हमालय के ति (दनकर)
औ ोगिक ब ती (अ `य) क वताएँ।

इकाई-3 काल, तुझसे होड़ है (शमशेर बहादुर सिंह)
हम भी साझीदार थे (नागाजु न)
चं गहना से लौटती बैर (केदारनाथ अ वाल) क वताएँ।

इकाई-4 मेरा देश जल रहा (शिवमंगल सिंह सुमन)
करन धेनुएँ (नरेश मेहता)
टूटा प हया (धम वीर भारती)
क व गीत (डॉ.जगद श गु) क वताएँ।

अंक- वभाजन

ईकाई 1 और 2 से एक-एक आलोचना मक (16×2=32 अंक)
ईकाई 3 और 4 से ट पणी का (चार वक प म से दो) (7×2=14 अंक)
प ठत क वताओं से सं (दस वक प म से पाँच) (5×2=10 अंक)
प ठत क वताओं से 14 वैक पक (हरेक के चार वक प देने ह गे।) (1×14=14 अंक)

संदभ-पु तक

1.छायावाद-डॉ.नामवर सिंह (राजकमल काशन ा.लि.नई द ली)
2. साद का का -डॉ. `मशंकर
3.अ `य का का -एक पुनमू यांकन-शंभुनाथ चतुव द
4.अ `यः एक अ ययन-डॉ.भोलाभाई पटेल
5.निराला-डॉ.राम वलास शमा (राधाकृ ण काशन, नई द ली)
6.नयी क वता के तिमान-ल मीकांत वमा
7.जयशंकर साद-आ.नंददुलारे वाजपेयी
8.सुमि ानंदन पंत-आनंद काश द त
9.ह रवंशराय ब चन क सा ह य साधना-पु पा भारती
10.आज के लोक य क व ब चन-सं.चं गु व ालंकार (राजपाल ए ड स ज, द ली)
11.ब चनः य व और कृ त व-काश जोशी (स माग काशन, द ली)
12.नागाजु न क क वता-अजय तिवार
13.मह यसी महादेवी-गंगा साद पा डेय (लोकभारती काशन, इलाहाबाद)
14.महादेवी-इ नाथ मदान (राधाकृ ण काशन, नई द ली)
15.धम वीर भारती क सा ह य साधना-संपा.पु पा भारती
16.धम वीर भारतीः युग चेतना और अभि य -डॉ.स रता शु ला (चिंतन काशन, कानपुर)
17.धम वीर भारतीःअनुभव और अभि य-ल मणद गौतम (भारत पु तक भंडार, द ली)
18.नई क वता के तिमान-ल मीकांत वमा (लोकभारती काशन, इलाहाबाद)
19. गतिशील का यधारा और केदारनाथ अ वाल-डॉ.राम वलास शमा
20.केदारनाथ अ वाल-संपा.अजय तिवार
21.समकालीन हंद क वता- नाथ साद मि

****

प4 आधुनिक हंद कहानियाँ (मु य और गौण)Core Course-04

तावनाआधुनिक काल म ग सा ह य के व वध प का वकास इस बात का सा ी है मन क पूण अभि य ग ह म संभव है। निबंध, नाटक, उप यास, कहानी तथा अ य व वध प म ग सा ह य का वकास तेजी से हुआ है। मनु य को उसक कृति, प रवेश, प र थति तथा चिंत क वकास या के साथ ामा णक प म ग के मा यम से ह जाना जा सकता है। अतः इसका अ अनिवाय है।

पा यपु तक**कहानी-स रता संपा. याम बहार सार वत**

(अमर काशन, सदर बाजार,मथुरा)

अ ययन के लिए निधा रत - `

इकाई-1 पर - ा`मचंद

बसाती साद

मनु य यह -उपे नाथ अ क

इकाई-2 परदा-यशपाल

चीफ क दावत-भी म साहनी

अभाव- व णु भाकर

इकाई-3 यायमं -सुदश न

पापी पेट-सुभ ाकुमार चौहान

इकाई-4 सयानी बुआ-म नू भंडार

हर ब -मृदुला गग

अंक- वभाजन

ईकाई 1 और 2 से एक-एक आलोचना मक (16×2=32 अंक)

ईकाई 3 और 4 से ट पणी का (चार वक प म से दो) 14 अंक (7×2=)

प ठत कहानिय से सं (दस वक प म से पाँच) 10 अंक (5×2=)

प ठत कहानिय से 14 वैक पक (हरेक के चार वक प देने ह गे। =1×14) (14 अंक)

संदभ-पु तक

1. `मचंद-डॉ.स ये (राधाकृ ण काशन, नई द ली)
2. `मचंद-डॉ.राम वलास शमा (राजकमल काशन ा.लि.नई द ली)
3. हंद कहानीः अंतरंग पहचान-डॉ.रामदरश मि (राजकमल काशन ा.लि.नई द ली)
4. नई कहानीःसंदभ और वृ-संपा.डॉ.देवीशंकर अव थी(राजकमल काशन ा.लि.नई द ली)
5. एक दुनियाः समाना तर-संपा.राजे यादव(राजकमल काशन ा.लि.नई द ली)
6. कथा-सा ह य के सौ बरस-संपा. वभूति नारायण राय (शि पायन,शाहदरा, द ली-32)
7. हंद कहानीः कया और-सुरे चौधर (राधाकृ ण काशन, नई द ली)

8. हंद कहानी का इतिहास-डॉ.गोपाल राय(राजकमल काशन ा.लि.नई द ली)

****

अथवा

प4 आधुनिक हंद कहानियाँ (मु य और गौण)Core Course-04

तावनाआधुनिक काल म ग सा ह य के व वध प का वकास इस बात का सा ी है मन क पूण अभि य ग ह म संभव है। निबंध, नाटक, उप यास, कहानी तथा अ य व वध प म ग सा ह य का वकास तेजी से हुआ है। मनु य को उसक कृति, प रवेश, प र थति तथा चिंत क वकास या के साथ ामा णक प म ग के मा यम से ह जाना जा सकता है। अतः इसका अ अनिवाय है।

पा यपु तक-**कहानी- व वधा संपा.डॉ.देवीशंकर अव थी**
(राजकमल काशन ा.लि. नई द ली)

अ ययन के लिए निधा रत - `

इकाई-1 ईदगाह- `मचंद
उसने कहा था-चं घर शमा गुलेर
मधुआ- साद

इकाई-2 ताई- व ंभरनाथ शमा कौशिक
ह द घाट -च मुरसेन शा ी
करवा का त-यशपाल

इकाई-3 एक गौ-जैने कुमार
मुगल ने स तनत ब श द -भगवतीचरण वमा

इकाई-4 शरणदाता-अ `य
आ -मोहन राकेश

अंक- वभाजन

ईकाई 1 और 2 से एक-एक आलोचना मक (16×2=32 अंक)
ईकाई 3 और 4 से ट पणी का (चार वक प म से दो) 14 (7×2= अंक)
प ठत कहानिय से सं (दस वक प म से पाँच) 10 अंक (5×2=
प ठत कहानिय से 14 वैक पक (हरेक के चार वक प देने ह गे।) (14×1) (14 अंक)

संदभ-पु तक

1. `मचंद-डॉ.स ये (राधाकृ ण काशन, नई द ली)
2. `मचंद-डॉ.राम वलास शमा (राजकमल काशन ा.लि.नई द ली)
3. हंद कहानीः अंतरंग पहचान-डॉ.रामदरश मि (राजकमल काशन ा.लि.नई द ली)
4. नई कहानीःसंदभ और वृ -संपा.डॉ.देवीशंकर अव थी(राजकमल काशन ा.लि.नई द ली)
5. एक दुनियाः समाना तर-संपा.राजे यादव(राजकमल काशन ा.लि.नई द ली)

6. कथा-सा ह य के सौ बरसःसंपा. वभूति नारायण राय (शि पायन,शाहदरा, द-32ली)
7. हंद कहानीः कया और-सूमेठ चौधर (राधाकृ ण काशन, नई द ली)
8. हंद कहानी का इतिहासःडॉ.गोपाल राय(राजकमल काशन ा.लि.नई द ली)

*****

HINDI
B.A. DEGREE COURSE

2nd SEMESTER

Sr. No.	Name of Course	Total Marks Ext / Internal	Parsing Standard	Total Teaching Hours	Weekly Teaching Hours	Credits
1	PAPER -3 आधुनिक हंद क वता Core Course-2	70+30=100	28+12=40	15 Weeks × 3 = 45 Hrs	3 Hrs	03
2	PAPER- 3 आधुनिक हंद क वता Core Course-2	70+30=100	28+12=40	15 Weeks × 3 = 45 Hrs	3 Hrs	03
3	PAPER -4 आधुनिक हंद कहानियाँ Elective Course-2	70+30=100	28+12=40	15 Weeks × 3 =45 Hrs	3 Hrs	03
4	PAPER -4 आधुनिक हंद कहानियाँ Elective Course-2	70+30=100	28+12=40	15 Weeks × 3 = 45 Hrs	3 Hrs	03
5	PAPER- Multi Disciplinary Course-2	70+30=100	28+12=40	15 Weeks × 3 = 45 Hrs	3 Hrs	03
6	Self Studies, Assignments & Tutorials Self Study Course-1	-	-	15 Weeks × 3 = 45 Hrs	3 Hrs	02

Model of Time-Table

Session	1	2	3	4	5
Monday	Class -room teaching of two course in each Semester. Three Hours for each course per week Total teaching hours per week=06				Each Day 4th Hour can be used for Library work//presentation ect.
Tuesday					
Wednes					
Thursday					
Friday					
Saturday	Self Study Course				